‘धरती बचाओ पेड़ लगाओ’

भारत के सब भैया–बहनों, सुनलो बात हमारी ।
धरती रहेगी हरी–भरी, तो होगी सुख समृद्धि और खुशहाली ।।
जीवन में ना कोई कमी हो, ऐसी हैं धरती मातृ हमारी ।
इसकी रक्षा करना ही, हैं हम सब की जिम्मेदारी ।।
खान–पान में कोई कमी ना हो, करती व्यवस्था सदा हमारी।
धरती माँ पर बोझ नही हैं, कोई नर और नारी ।।
चाहे अच्छा चाहे बुरा हो, चाहे हो वो भ्रष्टाचारी ।
ध्यान रखती हैं सबकी सदा, ऐसी है धरती मातृ हमारी ।।
इस धरती से बढ़कर कोई नही हैं, दूजा हितकारी ।
हरियाली से ही होती हैं, शुरुआत हमारी ।।
हरे–भरे होंगे वन तो, गर्म ना होगी धरती हमारी ।
वृक्ष लगाने से ही बच सकती हैं, धरती हमारी ।।
धरती बचाओ पेड़ लगाओ, कब से फैली ये जानकारी।
याद दिलानी पड़ती हैं, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी ।।
याद नही रख सकते क्या, इतनी सी जानकारी ।
साल में भी एक वृक्ष लगाकर, बन सकते हो तुम भारत माँ के हितकारी ।।
जीवन खुशी से बीतेगी, भैया मान लो इतनी बात हमारी ।
वृक्ष लगाने से ही, बच सकती है धरती हमारी ।।
तो आओ हम सब, मिलकर यह प्रण लेते है ।
वृक्ष लगाकर तुम्हें बचायेगें, लेते है माँ हम सब शपथ तुमहारी ।।
तुम्हे बचाने से बढकर, और नही कोई जिम्मेदारी ।
रक्षा करेगें माँ सदा तुमहारी, रक्षा करेगें माँ सदा तुमहारी ।।

लेखक
श्रीकांत मिश्रा